

प्रदेश की 1 6 2 निकायों में प्रथम चरण में आज होगा मतदान

सुबह 7 से शाम 6 बजे तक वोट डाल सकेंगे मतदाता

–कार्यालय संवाददाता–

जयपुर । राजस्थान में नगरीय निकाय चुनाव के पहले चरण के मतदान की तैयारियां पूरी हो गई हैं। प्रदेश के 162 नगरीय निकायों में बुधवार को मतदान होगा। इनमें नगर निगम, नगर परिषद और नगर पालिकाएं शामिल हैं। मतदाता सुबह सात से शाम छह बजे तक अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर सकेंगे। मतदान दल मंगलवार को अपने-अपने मतदान केंद्रों पर पहुंचकर व्यवस्थाएं संचाल रहे हैं।

पहले चरण के चुनाव वाले निकायों में 17 नगर पालिकाओं के 25 वार्ड, चार नगर परिषदों के छह वार्ड और एक नगर निगम के एक वार्ड में सदस्य निर्विरोध निर्वाचित हो चुके हैं। इसके बावजूद शेष वार्डों में चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों की सक्रियता बढ़ी हुई है। जयपुर जिले में पहले चरण के तहत 18 नगरीय निकायों में मतदान कराया जाएगा। इसके लिए कुल 565 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। मतदान को लेकर प्रशासन की ओर से सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। मतदान दलों ने मंगलवार



जयपुर की भवानी निकेतन कॉलेज से मंगलवार को मतदान दल रवाना हुए।

को केंद्रों पर पहुंचकर नियंत्रण संचालना शुरू कर दिया। मंगलवार को श्री भवानी निकेतन कॉलेज ऑफ फार्मेसी, सीकर रोड से मतदान दलों को उनके संबंधित मतदान केंद्रों के लिए रवाना किया गया। रवानगी स्थल पर मतदान दलों को निर्वाचन सामग्री, प्रशिक्षण और वाहनों की व्यवस्था

उपलब्ध कराई गई।

पहले चरण में प्रदेश के अलवर, भरतपुर, बीकानेर और भीलवाड़ा नगर निगमों में भी मतदान होगा। इसके अलावा चौमूं, शाहपुरा, बाड़मेर, जैसलमेर, तिब्बारा, खैरतार, भिवाड़ी, करौली, कुचामनसिटी, डीडवाना, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, चित्तौड़गढ़,

बांसवाड़ा, झालावाड़, बूंदी, बारां, जालौर, झुंझुनूं, फतेहपुर, सवाई माधोपुर, झेलपुर, सुजानगढ़, चूरू, कोटपुतली, ब्यावर और नागौर नगर परिषदों में भी मतदान होगा। मतदान के दिन मौसम भी फिलहाल अनुकूल रहने की संभावना है।

मौसम विभाग के अनुसार 12

■ ज्ञात रहे कि पहले चरण के चुनाव वाले निकायों में 17 नगर पालिकाओं के 25 वार्ड, चार नगर परिषदों के छह वार्ड और एक नगर निगम के एक वार्ड में सदस्य निर्विरोध निर्वाचित हो चुके हैं।

सितंबर तक प्रदेश में मानसून कमजोर रहने के कारण बारिश को लेकर कोई बड़ी चेतानवी नहीं है।

ऐसे में मतदान के दौरान बारिश के कारण किसी तरह की बड़ी बाधा की आशंका नहीं है।

प्रदेश में पहले चरण के मतदान के बाद 11 सितंबर को दूसरे चरण का मतदान होगा, जबकि 14 सितंबर को मतगणना प्रस्तावित है। नगरीय निकाय चुनाव को लेकर अब बुधवार को मतदाता प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करेंगे।

राजस्थान में कमजोर पड़ा मानसून, 4-5 दिन बारिश पर ब्रेक

जयपुर । राजस्थान में मानसून की गतिविधियां अब कमजोर पड़ गई हैं। मौसम विभाग के अनुसार मानसून ट्रफ अपनी सामान्य स्थिति से खिसककर उत्तर भारत की ओर चली गई है। इसके चलते प्रदेश में अगले चार-पांच दिन बारिश की गतिविधियां सीमित रहने की संभावना है। हालांकि मंगलवार को भरतपुर और कोटा संभाग के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश हो सकती है। मौसम विशेषज्ञों ने 12 सितंबर से प्रदेश में एक बार फिर बारिश का दौर शुरू होने और गतिविधियां बढ़ने की संभावना जताई है।

मौसम विभाग की रिपोर्ट के अनुसार सोमवार को प्रदेश के कुछ ही इलाकों में बारिश हुई। अलवर, कोटपुतली, सीकर और राजसमंद में बरसात मापी गई। पिछले 24 घंटे में सबसे अधिक बारिश राजसमंद के नाथद्वारा में करीब 28 मिलीमीटर हुई। कोटपुतली, अलवर शहर और सीकर के कुछ क्षेत्रों में भी बारिश हुई। देर शाम श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ और चूरू के कई इलाकों में बादल छाए और हल्की बारिश के साथ तेज हवा चली।

इस मानसून सीजन में राजस्थान में अब तक बारिश का आंकड़ा सामान्य से काफी नीचे है। प्रदेश में 24 प्रतिशत कम बारिश हुई है। केवल चार जिले ऐसे हैं, जहां सामान्य से अधिक बारिश हुई है।

राधाष्टमी पर भक्ति के रंग में रंगेगा गोविंददेवजी मंदिर

1 9 सितम्बर को राधा रानी का होगा पंचामृत महाभिषेक

जयपुर। मंदिर श्री गोविंद देव जी महाराज में श्री राधाष्टमी महोत्सव इस बार 19 सितंबर को श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। महोत्सव के तहत 14 से 18 सितंबर तक मंदिर परिसर में विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। इन दिनों सुबह और शाम प्रसिद्ध भजन मंडलियों की ओर से हरिनाम संकीर्तन और भजनों की प्रस्तुतियां दी जाएंगी। 18 सितंबर को प्रातः से सायंकाल तक अष्ट प्रहर हरिनाम संकीर्तन का आयोजन होगा।

गोविंद देवजी मंदिर के सेवा अधिकारी मानस गोस्वामी के अनुसार 14 सितंबर को सायंकाल श्री गौरांग महाप्रभु संकीर्तन मंडल की ओर से भजन-कीर्तन होगा। 15 सितंबर को प्रातः बरसाना वाले सौरभ शर्मा तथा सायंकाल श्री राधा गोविन्द सखी परिवार की ओर से गायन प्रस्तुत किया जाएगा। वहीं 16 सितंबर को प्रातः श्री श्याम भजन संस्था परिवार सेवा समिति की ओर से तथा सायंकाल एएसएमएस ब्लाड बैंक परिवार की ओर से भजन-कीर्तन होगा। 17 सितंबर को प्रातः श्री सरस प्रभात मंडल और सायंकाल श्री श्याम अनमोल सेवा रत्न परिवार ट्रस्ट की ओर से संकीर्तन किया जाएगा। 18 सितंबर को पूरे दिन अष्ट प्रहर हरिनाम संकीर्तन होगा। इन दिनों राजभोग की झांकी प्रातः 10.45 से 11.15 बजे

अवैध शराब तस्कर गिरफ्तार

जयपुर। नगर निगम चुनाव-2026 के मद्देनजर अवैध शराब की बिक्री और परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत जयपुर उत्तर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक युवक को अवैध देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। सिंघाधर नगर थाना पुलिस ने आरोपी को कब्जे से 144 पक्वे अवैध देशी शराब बरामद की। शराब परिवहन में इस्तेमाल की जा रही हॉंडा एक्टिवा स्कूटी भी पुलिस ने जब्त कर ली। पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करण शर्मा ने बताया कि नगर निगम चुनाव के दौरान अवैध शराब की बिक्री एवं परिवहन की रोकथाम के लिए विशेष टीम गठित की गई। जहां पुलिस टीम ने मंदिर मोड़ संकिल के आगे सब्जी मंडी कट के पास अचानक नाकाबंदी कर वाहनों की जांच शुरू की। इसी दौरान एक हॉंडा एक्टिवा सवार युवक को रोककर उसकी स्कूटी की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान स्कूटी के आगे पर रखे की खाली जगह में खाकी रंग के तीन कार्टन रखे मिले।

इंटरनेट कंपनियों के उपकरण चुराने वाली गैंग के चार बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। मुहाना थाना पुलिस ने एयरटेल सहित अन्य इंटरनेट सेवा प्रदाता कंपनियों के तकनीकी उपकरण चोरी करने वाली गैंग का पर्दाफाश कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें दो चोरी करने वाले, एयरटेल कंपनी का कर्मचारी और चोरी का माल खरीदने वाला व्यापारी शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब पांच लाख रुपये कीमत के दो स्टूलाइसिंग मशीनें बरामद की हैं।

पुलिस उपायुक्त दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि इंटरनेट कंपनियों के कर्मचारी जब साइट पर फाइबर मरम्मत का काम करते थे, उसी दौरान

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से 86 कॉलोनियों के प्रतिनिधि मिले



जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मंगलवार को सांगानेर एवं बगरू क्षेत्र की 86 कॉलोनियों के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को कॉलोनियों के नियमन सहित विभिन्न स्थानीय समस्याओं एवं मांगों से अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल की मांगों को गंभीरता से सुना और उनकी समस्याओं के संबंध में आवश्यक कार्यवाई के लिए आश्वासत किया। प्रतिनिधिमंडल में नियमन एवं

■ सांगानेर-बगरू की कॉलोनियों के नियमन सहित स्थानीय मांगों से अवगत करवाया

संघर्ष समिति के अध्यक्ष रघुनंदन सिंह हाडा, सचिव परशुराम चौधरी, राजेन्द्र सिंह राजawat, कोषाध्यक्ष ओम प्रकाश चौधरी, रविन्द्र शर्मा, ओम सिंह चन्दावत एवं अशोक सिंह राजावत उपस्थित रहे।

पूर्व जनप्रतिनिधि की बकाया राशि की वसूली उसके पति या परिजनों से नहीं कर सकते : हाईकोर्ट

–कार्यालय संवाददाता–

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा है कि किसी पूर्व जनप्रतिनिधि पर बकाया राशि की वसूली उसके पति या परिवारजनों से नहीं की जा सकती और ना उन्हें इसके लिए बाध्य किया जा सकता है। कोई जन-प्रतिनिधि अपने शर्मनाक काम या किसी गलत व्यवहार के लिए खुद ही जिम्मेदार और जवाबदेह होता है। यदि उसके खिलाफ कोई रिकवरी की कार्यवाही शुरू होती है तो बकाया रकम चुकाने और जमा करने के लिए वह अकेला ही जिम्मेदार होता है।

अदालत ने कहा कि पति और पत्नी स्वतंत्र कानूनी इकाइयां हैं तथा एक के

कृत्य या कथित अनियमितता की जिम्मेदारी दूसरे पर तब तक नहीं डाली जा सकती, जब तक कि उसकी संलिप्तता साबित न हो। इसके साथ ही अदालत ने मामले में प्राथी और पूर्व महिला सरपंच के पति को राहत देते हुए संबंधित अफसरों को निर्देश दिया कि वह उसे आगामी पंचायत राज चुनाव लड़ने के लिए तत्काल एनओसी जारी करें। जस्टिस अनूप कुमार ने यह आदेश बूंदी जिला निवासी राम लक्ष्मण मीणा की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने कहा कि इस मामले में याचिकाकर्ता अपनी पत्नी की बकाया रकम के लिए ना तो जमानत देने वाला है और ना ही गारंटर है। यह मामला

राज्य सरकार व पूर्व महिला सरपंच के बीच का एक अलग व स्वतंत्र मामला है। अदालत ने अफसरों के रवैये पर अफसोस जताते हुए कहा कि उन्होंने याचिकाकर्ता को उसकी पूर्व सरपंच पत्नी की बकाया रकम जमा करवाने के लिए मजबूर किया। जबकि उसे जीवन साथी के गलत व्यवहार के लिए जब तक जिम्मेदारी नहीं उठराया जा सकता, जब तक कि वे खुद उसमें शामिल न रहे हो।

याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता ग्राम पंचायत फलेन्डा के आगामी पंचायती राज चुनाव में लड़ना चाहता है, लेकिन अफसर उसे एनओसी पत्र जारी नहीं कर रहे, क्योंकि उसकी

पत्नी साल 1995 से 2000 में ग्राम पंचायत फलेन्डा की सरपंच रही थी। उसकी पत्नी के खिलाफ जांच के बाद एक वसूली आदेश जारी किया, लेकिन वह बकाया राशि जमा नहीं करा पाई और उनकी संपत्ति की नीलामी की कार्रवाई शुरू हुई। इसके खिलाफ हाईकोर्ट में उसने याचिका दायर की और अदालत ने सितंबर 2009 में अंतरिम आदेश से यह कार्रवाई रोक दी। उसकी याचिका लंबित चल रही है, लेकिन अफसर उसकी पत्नी की बकाया राशि नहीं चुकाने के कारण उसे एनओसी जारी नहीं कर रहे हैं। जिसके चलते वह चुनाव प्रक्रिया में शामिल नहीं हो पा रहा है।

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी पद पर नियुक्ति दी है तो चौकीदार और रसोइये का काम क्यों?

■ हाईकोर्ट ने प्रशासनिक सुधार विभाग के एसीएस, उप सचिव और सामाजिक न्याय विभाग के निदेशक से जवाब मांगा

कर्मचारी पद पर नियुक्ति दी गई। याचिका में कहा गया कि चतुर्थ श्रेणी के पद का काम कराने के बजाए हॉस्टल में रसोइया व चौकीदार का काम करवाया जा रहा है। जबकि उनसे कम मेरिट वाले अन्य अभ्यर्थियों को उनके इच्छित गृह जिले आवंटित कर चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी पद पर नियुक्ति दी है। अन्य अभ्यर्थियों से बेहतर मेरिट होने के बावजूद उन्हें कम पसंद का

अनुचित पद दूरस्थ जगह पर आवंटित किया है। नियुक्ति के पदस्थापन में उनके साथ भेदभाव हुआ है। राज्य सरकार के प्रशासनिक सुधार विभाग के परिपत्र के अनुसार मेरिट-कम-प्रेफरेंस के आधार पर पोस्टिंग व आवंटन का प्रावधान है। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी से रसोइया का काम नहीं करवाया जा सकता, क्योंकि दोनों की वेतन श्रृंखला में अंतर है। वहीं सामान भर्ती में अन्य विभाग में नियुक्त कर्मचारियों से चतुर्थ श्रेणी का ही काम करवाया जा रहा है, लेकिन उन्हें मेरिट के अनुसार न नियुक्ति दी और न ही जिला आवंटित किया, जो गलत है। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

गणपति के जयकारों से गूंज उठी छोटी काशी

पुष्य नक्षत्र पर गणेशजी का पंचामृत अभिषेक, मोदकों की झांकी सजी

जयपुर (कासं)। छोटी काशी जयपुर में मंगलवार को भौम पुष्य नक्षत्र के अवसर पर प्रथम पुष्य भगवान गणेश के प्राचीन मंदिरों में विशेष धार्मिक अनुष्ठान हुए। मोती डूंगरी गणेश मंदिर, ब्रह्मपुरी माउंट रोड स्थित दाहिनी सूंड वाले नहर के गणेश जी मंदिर, चांदपोल स्थित परकोटा गणेश मंदिर सहित शहर के विभिन्न गणेश मंदिरों में भगवान गणपति का अभिषेक, पूजन और विशेष श्रृंगार किया गया। मंदिरों में मोदकों का भोग लगाया गया और श्रद्धालुओं ने सुख-समृद्धि तथा विघ्नों के निवारण की कामना की।

मोती डूंगरी में 251 किलो दूध से अभिषेक

महंत कैलाश शर्मा ने बताया कि मोती डूंगरी गणेश मंदिर में भगवान गणपति का पंचामृत से विशेष अभिषेक किया गया। इसमें 251 किलो दूध, 50 किलो दही, 25 किलो बूरा, 11 किलो शहद और 11 किलो घी के साथ गुलाब जल, केवड़ा जल और इत्र का उपयोग किया गया। अभिषेक के बाद भगवान को चोला चढ़ाकर नवीन पोशाक और नया मुकुट धारण कराया गया। इसके बाद 1008 मोदकों का भोग लगाया गया। मंदिर में विशेष पूजन के बाद नई ध्वजा भी चढ़ाई गई। महंत कैलाश शर्मा के अनुसार मंदिर परिवार की ओर से मुख्य ध्वजा चढ़ाने की परंपरा है, जबकि 11 अन्य ध्वजाएं श्रद्धालुओं की ओर से चढ़ाई जाती हैं।

मुख्य ध्वजा करीब 27 दिनों में बदली जाती है, जबकि श्रद्धालुओं की ओर से चढ़ाई जाने वाली अन्य ध्वजाएं समय-समय पर बदली जाती हैं। शाम से मंदिर में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का दौर शुरू हुआ। भगवान गणेश को धूपद गायन प्रिय माना जाता है, इसी मान्यता के तहत धूपद गायन की प्रस्तुति दी गई। भगवान को छपन भोग भी अर्पित किया गया।



ब्रह्मपुरी माउंट रोड स्थित श्री नहर के गणेशजी मंदिर में भौम-पुष्य के अवसर पर दिनभर धार्मिक अनुष्ठान हुए।

नहर के गणेशजी मंदिर में 101 अथर्वशीर्ष पाठ

ब्रह्मपुरी माउंट रोड स्थित श्री नहर के गणेशजी मंदिर में भौम-पुष्य के अवसर पर दिनभर धार्मिक अनुष्ठान हुए। महंत पं. जय शर्मा के सान्निध्य में सुबह 8 बजे से गणपति अथर्वशीर्ष के 101 पाठ किए गए। इसके बाद भगवान गणपति का दुर्वा मार्जन से अभिषेक और पूजन किया गया तथा ऋग्वेदोक्त गणपति मात्रिका के पाठ हुए। भगवान को नवीन पोशाक धारण करारक वैदिक मंत्रोच्चार के साथ 21 मोदकों का भोग लगाया गया और शयन करवाया गया। शाम को 251 दीपकों से गणपति जी की महाआरती की गई। मंदिर में दहन के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं को सुख-समृद्धि दायक एवं विघ्ननिवारक रक्षा सूत्र और पुष्प आशीर्ष प्रदान किए गए पं. जय शर्मा ने बताया कि मंगलवार को

पड़ने वाला पुष्य नक्षत्र भौम-पुष्य कहलाता है। शस्त्रों में इसे तंत्र-मंत्र की सिद्धि, ऋण मुक्ति और संपत्ति संबंधी कार्यों के लिए विशेष एवं दुर्लभ संयोग माना गया है। गणेश चतुर्थी से पहले भाद्रपद कृष्ण पक्ष में इस संयोग का धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व और बढ़ जाता है।

13 से 15 सितंबर तक गणेश जन्मोत्सव

नहर के गणेशजी मंदिर में 13 से 15 सितंबर तक त्रिदिवसीय श्री गणेश जन्मोत्सव मनाया जाएगा। गणपति को गोटा-पत्रियों से शृंगारित कर राजशशी पोशाक, स्वर्ण मंडित मुकुट और आभूषण धारण करवाए जाएंगे। 13 सितंबर को सिंजारा महोत्सव के तहत शाम 5 बजे विशेष लहरिया पोशाक और साफा धारण कर आरती